वेदाध्ययन

(345)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णांक-20 अंक

निर्देश: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र के दाहिनी तरफ अंक दिये गए है।

2. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखना है।

1.	निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-	2
	(क) ऋग्वेद का विभाग लिखते हुए उनकी शाखाएँ बताइये।	(पाठ-2)
	(ख) ऋग्वेद में कौन कौन से संवाद सूक्त मिलते हैं।	(पाठ-2)
2.	निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-	2
	(क) शुक्लयजुर्वेद और कृष्णयजुर्वेद के नामकरण को स्पष्ट कीजिए।	(पाठ-3)
	(ख) सामगान के विभागों को लिखिए।	(पाठ-3)
3.	निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-	2
	(क) 'विभाषितं विशेषवचने' सूत्र की व्याख्या कीजिए।	(पाठ-8)
	(ख) 'स्वरितों वानुदात्ते पदादौ' सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	(पाठ-8)
4.	निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-	4
	(क) 'उच्चैस्तरां व वषट्कारः' सूत्र की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।	(पाठ-9)
	(ख) 'अनुदात्तं च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।	(पाठ-9)
5.	निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-	4
	(क) इंद्रा सूक्त के प्रथम मंत्र को लिखते हुए व्याख्या कीजिए।	(पाठ-16)
	(ख) 'अहं राष्ट्री.....' इस मंत्र को पूरा लिखते हुए इसके अर्थ को स्पष्ट कीजिए।	(पाठ-19)
6.	निम्न में से किसी एक विषय पर एक परियोजना का निर्माण कीजिए-	6
	(क) हिरण्यगर्भ सूक्त के अनुसार हिरण्यगर्भ के स्वरूप को विस्तार से लिखिए।	(पाठ-17)
	(ख) पुरुष सूक्त के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन करें।	(पाठ-18)